आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–26 जनवरी 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- हर्षोल्लास के साथ पूरा राष्ट्र आज मना रहा छिहत्तरवां गणवतंत्र दिवस। कुछ ही देर में कर्तव्य पथ पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लेंगी परेड की सलामी। परेड में दिखेगा भारत के विकास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को किया संबोधित। कहा– अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व की स्थिति हासिल कर रहा है आज का भारत।
- हृदय नारायण दीक्षित सहित प्रदेश की आठ विभूतियों को पद्मश्री और साध्वी ऋतंभरा एवं राम बहादुर राय को मिला पद्म भूषण सम्मान।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा महाकुंभ एकता का संदेश देने वाला देश और दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन।

****

पूरा राष्ट्र आज छिहतरवां गणतंत्र दिवस मना रहा है। थोड़ी ही देर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में परेड की सलामी लेंगी। गणतंत्र दिवस परेड सुबह साढे दस बजे शुरू होगी और लगभग नब्बे मिनट तक चलेगी। परेड में भारत के विकास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत दोनों का अनूठा संगम दिखाई देगा। अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के प्रदर्शन से देश अपनी सैन्य ताकत पूरी दुनिया को दिखायेगा। तो वहीं उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों और केन्द शासित प्रदेशों की झांकियों में देश की सास्कृतिक छटा दिखेगी। इस दौरान राष्ट्र संविधान के लागू होने का प्लेटिनम जुबली समारोह भी मनाएगा। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो समारोह के मुख्य अतिथि होगें।

उधर, गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्र को संबोधित किया।

अपने संबोधन में देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के गणतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिम्ब हमारी संविधान सभा की संरचना में दिखाई देता है, उस सभा में देश के सभी हिस्सों और समुदायों का प्रतिनिधित्व था।

न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता केवल सैद्धांतिक अवधारणा न्याय नहीं है जिनका परिचय हमें आधुनिक युग में प्राप्त हुआ है ये जीवन मूल्य तो सदा से हमारी सभ्यता और संस्कृति का अंग रही है भारत के गणतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिंब हमारी संविधान सभा की संरचना में भी दिखाई देता है उस सभा में देश के सभी हिस्सों और सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व था।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि समावेशी विकास हमारी प्रगति की आधारशिला है, जिससे विकास का लाभ व्यापक स्तर पर अधिक से अधिक देशवासियों तक पहुंचता है।

उन्होंने कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व के परिदृश्य को प्रभावित कर रही है। हाल के वर्षो में आर्थिक विकास की दर लगातार ऊंची रही है, जिससे हमारे युवाओं के लिये रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

आज भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व के आर्थिक परिदृश्यों को प्रभावित कर रही है। आज का भारत अंतर्राष्ट्रीय मंच पर नेतृत्व की स्थिति हासिल कर रहा है। संविधान में निर्धारित रूपरेखा के बिना ये व्यापक परिवर्तन संभव नहीं हो सकता था। हाल के वर्षों में आर्थिक विकास की दौर लगातार ऊंची रही है जिससे हमारी युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुई हैं। किसानों और मजदूरों के हाथों में अधिक पैसा आया है तथा बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। साहसिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधारों के बल पर आने वाले वर्षों में प्रगति की ये रफ्तार बनी रहेगी।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि संसद में पेश एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक में सुशासन की शर्तों को फिर से परिभाषित किया गया है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव योजना शासन में निरंतरता को बढ़ावा दे सकती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने जन कल्याण को नई परिभाषा दी है जिसके अनुसार आवास और पेयजल जैसी बुनियादी जरूरतों को अधिकार माना गया है। वंचित वर्गो के लिये विशेष रूप से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गो की सहायता के लिये सभी प्रयास किये जा रहे हैं।

वहीं प्रदेश भर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनों के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभूतियों को सम्मानित किया जा रहा है। थोड़ी ही देर में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल विधान सभा के सामने परेड की सलामी लेंगी।

****

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कल केन्द्र सरकार ने प्रदेश की आठ विभूतियों को पद्मश्री सम्मान देने की घोषणा की। इसके अलावा साध्वी ऋतंभरा को सामाजिक कार्यों और वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय को साहित्य, शिक्षा और पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये पद्भूषण से नवाजा गया है। पद्मश्री पाने वालों में साइंस एवं टेक्नोलॉजी के लिये आशुतोष शर्मा, साहित्य एवं शिक्षा के लिये

विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित, गनेश्वर शास्त्री द्रविड़, और सैयद एनुल हसन, पब्लिक अफेयर्स के लिये मरणोपरांत श्रीनारायण उर्फ भुलई भाई, खेल के लिये सत्यपाल सिंह, कला के लिये श्याम बिहारी अग्रवाल और चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिये सोनिया नित्यानंद का नाम शामिल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मान पाने वाले विभूतियों को शुभकामना देते हुए केन्द्र सरकार के प्रति आभार जताया है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज पहुंचकर "अखिल भारत वर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ–योगी महासभा" के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर श्री योगी ने कहा कि महाकुम्भ एकता का संदेश देने वाला देश और दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन है।

पिछले 10 दिनों के अंदर महाकुंभ त्रिवेणी के इस पावन संगम में 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अब तक स्नान कर चुके हैं और जो बचे हुए 35 दिन है इन 35 दिनों मे संख्या पहुंचेगी 43 करोड़। दुनिया के अंदर कितने देश है जो 45 करोड़ लोगों को एक अस्थायी सिटी में आमंत्रित करके उनको जोड़ने का संदेश दे रहा हो।

इसके बाद श्री योगी विश्व हिन्दू परिषद के विराट संत सम्मेलन में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में आस्था और आधुनिकता का संगम दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में देश भर से पहुंचे साधु संतों से मुलाकात भी की।

****

गणतंत्र दिवस पर प्रदेश पुलिस के तैंतीस पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रपति का वीरता पदक देने की घोषणा की गयी है। इनमें कुख्यात अपराधियों को ढेर करने वाले नागरिक पुलिस के सत्रह और लोगों की जान बचाने वाले फायर सर्विस के सोलह कर्मी शामिल हैं। इनके अलावा दस कर्मियों को विशिष्ट सेवाओं और तिहत्तर को सराहनीय सेवाओं के लिये राष्ट्रपति का पदक देने की घोषणा की गयी है। वीरता पदक पाने वालों में आईपीएस निपुण अग्रवाल, अशोक कुमार मीणा, दीक्षा शर्मा, डिप्टी एसपी स्वतंत्र कुमार सिंह, कुलदीप कुमार, निरीक्षक गीतेश कपिल, अमित, रिपुदमन सिंह, अब्दुल रहमान सिद्दीकी, उप निरीक्षक अंगद सिंह यादव, मुन्नेश सिंह, आरक्षी देवदत्त सिंह, राजन कुमार, रितुल कुमार वर्मा, नीरज कुमार पाल, प्रवीण अहलावत और संदीप कुमार का नाम शामिल है। इसी तरह वीरता पदक पाने वाले फायर सर्विस के कर्मियों में मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल, अरूण कुमार सिंह, दीपक शर्मा, फायर स्टेशन अफसर कुंवर सिंह, श्री नारायण सिंह, फायर स्टेशन सेकेंड अफसर कमलेन्द्र कुमार सिंह, फायर मैन जोगेन्द्र सिंह और प्रहलाद सिंह राणा आदि के नाम शामिल है। वहीं, गणतंत्र दिवस पर आज प्रदेश भर के सात सौ बीस पुलिसकर्मियों को डीजीपी के उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह, सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह के साथ प्लेटिनम, गोल्ड और सिल्वर कमेंडेशन डिस्क से सम्मानित किया जायेगा।

****

गणतंत्र दिवस पर आज महाकुंभ में श्रद्धालु आध्यात्म और भारतीय संस्कृति के साथ, देशभक्ति की त्रिवेणी में भी डुबकी लगाएंगे। मेला क्षेत्र में बने सांस्कृतिक पंडालों में देशभक्ति से सराबोर प्रस्तुतियां होंगी।

वहीं, उन्तीस जनवरी को होने वाली मौनी अमावस्या पर करीब दस करोड़ श्रद्धालुओं के महाकुंभनगर पहुंचने की संभावना है। इसके मद्देनजर प्रदेश सरकार ने यातायात और भीड़ प्रबंधन के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

****

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कल लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने एनसीसी और एनएसएस की परेड की सलामी ली।

****